मूल्य 1 रु.
वर्षः 10 - अंक : 14, मुंबई, सोमवार, 9 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

एनआईए का दावा

पुलवामा हमले के लिए आईईडी बनाने अमेजन से खरीदा था केमिकल

नई दिल्ली। पुलवामा हमले में इस्तेमाल आईईडी बनाने के लिए केमिकल ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन से खरीदा गया था। हमले से जुड़े दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने यह दावा किया। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर निवासी 19 वर्षीय वैज उल इस्लाम और पुलवामा जिले के हकीरपोरा इलाके के 32 वर्षीय मोहम्मद अब्बास राथेर को गिरफ्तार किया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

हमले से जुड़े दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को जांच एजेंसी ने यह दावा किया

जैश ए मोहम्मद के पाकिस्तानी आतंकियों के निर्देशों पर यह सामान खरीदा था

दिल्ली हिंसा

ताहिर की पिस्तौल, कारतूस और मोबाइल फोन जब्त, जांच को भेजा

चांदबाग में हुई हिंसा को लेकर ताहिर से पूछताछ

मोबाइल डेटा की भी जांच की जा रही है पुलिस

संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा में शामिल होने के आरोपी निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन से रिमांड पर दिल्ली पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस ने ताहिर हुसैन की लाइसेंसी पिस्तौल, कई कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पिस्तौल से फायरिंग की गई या नहीं, इसकी जांच के लिए उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। मोबाइल डेटा की भी जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने कहा है कि दंगों के बाद फरारी के दौरान ताहिर हुसैन को छुपाने में 3 से 4 लोगों की मदद की। ये सभी लोग मुस्तफाबाद के हैं। आप से निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन पर हिंसा के दौरान आईबी कॉन्स्टेबल अंकित शर्मा की हत्या का आरोप है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

महिला दिवसः इंसाफ की तसल्ली उसी दिन होगी, जब चारों दरिंदे तय दिन फांसी के फंदे पर लटकेंगे : आशा देवी

20 मार्च की सुबह निर्भया के चारों दोषियों का फांसी के फंदे पर लटकना तकरीबन तय

नई दिल्ली। 20 मार्च की सुबह निर्भया के चारों दोषियों का फांसी के फंदे पर लटकना तकरीबन तय है। अगर सब ठीक ठाक रहा तो सात वर्ष से ज्यादा लंबी लड़ाई के बाद निर्भया की मां आशा देवी का संघर्ष पूरा हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने तमाम कठिनाइयों का सामना किया। उन्होंने भास्कर से बातचीत में कहा, महिला दिवस के मौके पर आज विभिन्न कार्यक्रमों में महिला सशक्तिकरण की बातें होगीं, लेकिन सच्चाई यह है कि महिलाएं तो पहले से सशक्त हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

रेलवे को भंगार की कमाई!, मुंबई में बिका ८१५ करोड़ का भंगार

मुंबई। देशभर में सबसे ज्यादा भंगार यदि किसी सरकारी संस्थान में निकलता है तो वह है भारतीय रेलवे। हर साल भारतीय रेलवे कम से कम ४,५०० करोड़ रुपए का स्क्रैप्ठप बेचनेवाली रेलवे ने पिछले साल जीरो स्क्रैप पॉलिसी बनाई थी। ट्रैक के आसपास पड़ी पुरानी पटरियां, रेलवे के कंडेम हुए डिब्बे आदि भंगार बेचकर पश्चिम रेलवे ने एक नया मुकाम हासिल किया है। वहीं मध्य रेलवे भी भंगार बेचने के मामले में पश्चिम रेलवे के नक्शे कदम पर चल रही है। इस बार मध्य रेलवे ने भंगार की कमाई में इजाफा किया है। पश्चिम और मध्य रेलवे ने कुल मिलाकर २०१९-२० में ८१५ करोड़ रुपये का कबाड़ बेचा है, जिसमें पश्चिम रेलवे अव्वल साबित हुई है।

बता दें कि पश्चिम रेलवे ने जीरो स्क्रैप्ठप पॉलिसी के तहत ५०५.२३ करोड़ रुपए की कमाई भंगार बेचकर की है जबकि मध्य रेलवे ने ३१०.४९ करोड़ रुपए का भंगार बेचा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम रेलवे ने पटरियों के आसपास पड़े स्क्रैप्ठप की पहचान करने के लिए डिविजन और मुख्यालय स्तर के अधिकारियों को तैनात किया है। इन अधिकारियों ने जिस अवस्था में भंगार मिला उसे ई-नीलामी की प्रक्रिया से जोड़कर बेचना शुरू किया। पश्चिम रेलवे के महालक्ष्मी ईएमयू वर्कशॉप को देश का पहला ह्यजीरो स्क्रैप्ठप्ह वर्कशॉप घोषित किया गया। पहले स्क्रैप के कारण वर्कशॉप में काम करने में भी अड़चनें होती थीं।

ऐसे बढ़ा भंगार

भारतीय रेलवे ने पुराने आईसीएफ कोच बनाने बंद कर दिए हैं। अब लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए राजधानी टाइप एलएचबी कोच की खेप आने लगी हैं, इसके बाद पुराने डिब्बों को नीलाम किया जा रहा है। पुराने कोच की उम्र २५ साल है, नए कोच की उम्र ४० साल होगी। इसी तरह, देशभर में ट्रैक की ताकत बढ़ाने के लिए पटरियों को बदला जा रहा है, इससे भी काफी मात्रा में पुरानी पटरियों को सिस्टम से हटाया जा रहा है। इन पटरियों की उम्र ट्रैफिक क्षमता के मुताबिक तय होती है। मुंबई में उपनगरीय रेलवे में सबसे ज्यादा ट्रैफिक होने के कारण यहां पटरियों को अन्य जोन के मुकाबले जल्दी बदला जाता है।

भंगार की ऑनलाइन नीलामी

कुछ साल पहले भंगार को बेचने की पॉलिसी मुश्किल भरी होने के कारण सालों तक यार्ड में या रेलवे स्टेशनों के आसपास कबाड़ सड़ता रहता था। हाल ही में रेलवे ने जीरो स्क्रैप्ठप पॉलिसी बनाई, जिसमें भंगार बेचने की प्रक्रिया को आसान बनाकर ई-नीलामी के जरिए राजस्व बढ़ाने का विकल्प निकाला। आमतौर पर स्टील बनाने वाली कंपनियां सहित भंगार के व्यापारी इन नीलामी में भागीदारी करती हैं। पश्चिम रेलवे ने जीरो स्क्रैप्ठप पॉलिसी को अपनाने में अव्वल रही है। महाप्रबंधक और अन्य आला अधिकारियों ने रेलवे को कबाड़ से मुक्त बनाने के लिए सिरे से काम किया है, इसलिए इस साल हमने सबसे ज्यादा ५०५.२३ करोड़ रुपये जुटाए हैं।

-रविंद्र भाकर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (पश्चिम रेलवे)

मिशन जीरो स्क्रैप्ठप का लक्ष्य

महाप्रबंधक संजीव मित्तल के कुशल मार्गदर्शन में ह्यमिशन जीरो स्क्रैप लक्ष्य हासिल कर मध्य रेलवे ने अप्रैल-२०१९ से फरवरी-२०२० की अवधि के दौरान कुल ३१०.४९ करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके अंतर्गत प्रत्येक डिविजन, कार्यशाला और शेड स्क्रैप सामग्री से मुक्त किया जा रहा है।

-शिवाजी सुतार- मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (मध्य रेलवे)

पीएमसी के बाद अब यस बैंक से मुंबईकरों को झटका, 5 आपबीती झकझोर देगी आपको

मुंबई। पंजाब ऐंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के बाद यस बैंक से मुंबईकरों को झटका लगा है। शुक्रवार सुबह से यस बैंक की शाखाओं के बाहर कतार खाताधारकों को लंबी कतारें लगी रहीं। लोगों को बैंक के बाहर एक गजट चस्पा दिखा, जो खाताधारकों की बेचैनी बढ़ा रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को यस बैंक से 50 हजार रुपये से अधिक निकासी पर प्रतिबंध लगा दिया। ऐसे में लोग बैंक से जल्दी से जल्दी अपने खाता से पैसे निकालने के लिए बेचैन थे।

कई खाताधारकों को डर था कि कहीं उनका नंबर आते-आते नकद राशि खत्म न हो जाए। इसमें अंधेरी निवासी अनघा सावंत की कहानी बहुत ही अलग है। अनघा कहती हैं, 'लोग कैसे बैंकों पर भरोसा करेंगे। मेरा अकाउंट पीएमसी बैंक में था। पहले वहां धोखा हुआ। अभी तक पीएमसी बैंक में पैसे फंसे हुए हैं। वे पैसे कब मिलेंगे, यह हमें पता नहीं है। पीएमसी बैंक की असलियत के सामने आने के बाद मैंने यस बैंक में रकम जमा की, जिसके प्रभादेवी शाखा में मेरा खाता है। मैंने आरबीआई के प्रतिबंध के बाद अधिकतम

राशि आज निकाल ली, लेकिन अभी भी बहुत राशि बैंक में फंसी है।'

फोर्ट शाखा के एक खाताधारक ने कहा कि हम दिन रात मेहनत कर एक-एक पैसे बैंक में जमा करते हैं, ताकि वह सुरक्षित रहे। लेकिन अब बैंकों में पैसा जमा करना बड़ा रिस्क हो गया है। सरकार को ऐसे नियम बनाने चाहिए कि बैंकों में जमा खाताधारकों के पैसे शत-प्रतिशत सुरक्षित रहे। अगर किसी का पैसा बैंक में अटक जाता है, तो आरबीआई उसकी जिम्मेदारी ले और एक निश्चित समय में खाताधारकों को पैसे वापस दिलाए।

पीएमसी बैंक की असलियत के सामने आने के बाद मैंने यस बैंक में रकम जमा की। मैंने आरबीआई के प्रतिबंध के बाद अधिकतम राशि निकाल ली, लेकिन अभी भी बहुत राशि बैंक में फंसी है।

-अनघा, यस बैंक ग्राहक

'कब तक हम कीमत चुकाएंगे'

अब्दुल रहमान का फोर्ट शाखा में सैलरी अकाउंट हैं। वह शुक्रवार सुबह 9 बजे से बैंक के बाहर कतार में खड़े थे। बैंक में उनके लगभग 70 हजार रुपये फंसे हैं। पेशे से वकील श्रुतिका ने उम्मीद जताई कि इस बैंक का हश्र पीएमसी बैंक की तरह नहीं होगा, क्योंकि वहां घोटाला किया गया था।

'आरबीआई पर भरोसा नहीं'

सुरेश लोकारे कहते हैं कि उन्हें गवर्नर शक्तिकांत दास के आश्वासन पर भरोसा नहीं है। पेशे से अकाउंटेंट नितिन बोखडे के अनुसार उनकी नजर पहले से स्टॉक मार्केट पर थी। उन्हें आशंका थी कि ऐसा कुछ होने वाला है, हालांकि किन्हीं कारणों से वह अपने पैसे पहले ही नहीं निकाल पाए।

उद्धव के अयोध्या दौरे पर शिवसेना ने कहा : विचारधारा में कोई बदलाव नहीं आया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर अयोध्या जाने के मौके पर पार्टी ने शनिवार को कहा कि उसकी विचारधारा में कोई बदलाव नहीं आया है। अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा पर कटाक्ष करते हुए शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कहा कि भगवान राम और हिंदुत्व किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है।

शिवसेना ने कहा कि राकांपा और कांग्रेस वाली महा विकास अघाड़ी सरकार ने 100 दिन पूरे कर लिए हैं जो उन लोगों के लिए दुख की बात है जिन्होंने दावा किया था कि यह नयी गठबंधन सरकार 100 घंटे से ज्यादा नहीं चलेगी। संपादकीय में कहा गया है, जिनकी सरकार 80 घंटे ही चल पाई वे दावा कर रहे थे कि ठाकरे सरकार 100 घंटे तक भी नहीं चलेगी। लेकिन इस एमवीए सरकार ने न केवल उन्नति की बल्कि अपने प्रदर्शन से लोगों के मन में भरोसा भी कायम किया। शिवसेना देवेंद्र फड़णवीस सरकार के दूसरे कार्यकाल का जिक्र कर रही थी। यह सरकार पिछले साल नवंबर में महज 80 घंटे ही चल पाई थी। सामना में कहा गया है, मुख्यमंत्री ठाकरे के अयोध्या दौरे का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि वह भगवान श्री राम के चरणकमलों में सरकार द्वारा किए गए कामों के पुष्प अर्पित कर रहे हैं। संपादकीय में कहा गया है कि ठाकरे की अयोध्या यात्रा को लेकर उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने कई सवाल खड़े किए। इसमें कहा गया है, कोई भी सरकार का समर्थन कर सकता है लेकिन उद्धव ठाकरे और शिवसेना बाहर तथा अंदर से एक जैसे ही रहेंगे। विचारधारा में कोई बदलाव नहीं आया है। भगवान श्री राम और हिंदुतव किसी एक पार्टी की संपत्ति नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी की टिप्पणी कि हिंदू समुदाय भाजपा का पर्याय नहीं है।

ईडी ने येस बैंक के संस्थापक राणा कपूर के मुंबई स्थित आवास पर छापा मारा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को येस बैंक के संस्थापक राणा कपूर के मुंबई स्थित आवास पर छापा मारा। गौरतलब है कि कपूर के खिलाफ धनशोधन के मामले की जांच चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी उनके समुद्र महल आवास पर की जा रही है। यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत की गई है तथा इसका उद्देश्य और सबूत जुटाना है।

पुणे की श्रेया की सफल हैंड ट्रांसप्लांट सर्जरी, स्किन टोन भी बदल गया

मुंबई। पुणे की 21 साल की श्रेया सिद्दानागोडर की जिंदगी उस समय बदल गई, जब उनके हाथों की सफल सर्जरी हुई। श्रेया के हाथ दरअसल 21 साल के केरल के एक शख्स के हैं, जिसकी अगस्त 2017 में मौत हो गई थी। सर्जरी के बाद श्रेया अब पूरी तरह सही से काम कर पा रही हैं और अच्छे से लिख भी पा रही हैं।

श्रेया के हाथों का रंग उनके स्किन टोन से मिल नहीं पाया था, लेकिन अब वह भी सही हो गया है। श्रेया ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, 'मैं नहीं जानती कि यह बदलाव कैसे आया लेकिन अब मुझे लगता है कि ये मेरे ही हाथ हैं। ट्रांसप्लांट के बाद हातों का रंग काला था, लेकिन अब वह मेरे रंग से मिल गया है।'

वह एशिया की पहली ऐसी लड़की हैं जिनके

हाथ सफल तौर पर इंटर-जेंडर ट्रांसप्लांट किए गए। कोच्चि में अमृता इस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में डॉक्टर इस बारे में रिसर्च कर रहे थे कि महिला हॉर्मोन इस तरह के बदलावों को झेल पाएंगी। दुनिया भर में 200 से भी कम हाथ ट्रांसप्लांट किए गए हैं लेकिन वैज्ञानिक तौर पर किसी भी तरह के स्किन टोन में बदलाव का रिकॉर्ड नहीं है।

संस्थान में प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. सुब्रमन्या अय्यर ने कहा, 'हम साइंटिफिक जर्नल में हैंड ट्रांसप्लांट के दो मामले पब्लिश करना चाहते थे। इसमें अभी समय लगेगा। हमने श्रेया के स्किन टोन में बदलाव को रिकॉर्ड किया है, लेकिन उंगलियों और हाथ की बनावट में बदलाव को समझने के लिए थोड़ा और रिसर्च करना होगा।'

सितंबर 2016 में जब श्रेया अपने घर पुणे से कर्नाटक के मणिपाल संस्थान जा रही थीं, तब बस हादसे के बाद उनके दोनों हाथों को हटाना पड़ा था। इसके एक साल बाद उन्होंने ट्रांसप्लांट के लिए अर्जी थी और बाद में उन्हें डोनर भी मिल गए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कोरोना वायरस पर उद्धव ठाकरे की अपील-

'अगले आठ दिन अहम, कम मनाएं होली'

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य के लोगों को कोरोना वायरस की स्थिति से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लोग सतर्क रहें क्योंकि अगले आठ दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं। उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में दिए एक बयान में यह भी बताया कि राज्य सरकार कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

जनवरी महीने से ही मुंबई हवाई अड्डे पर जांच के बाद अलग रखे गए 167 यात्रियों मे से फिलहाल नौ लोग ही आइसोलेशन वॉर्ड में हैं। राज्य में वायरस संक्रमण के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है। लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने और सीमित रूप से होली मनाने की अपील करते हुए सीएम ने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि होली की आग में कोरोना वायरस जल जाएं।'

उद्धव ठाकरे ने कहा, 'मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि अगले आठ दिन महत्वपूर्ण हैं और हमें सतर्क रहना होगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पिछले एक महीने से दैनिक आधार पर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमें बिना डरे और बिना घबराए इस समस्या से निपटने की जरूरत है अगर हम डर जाएंगे तो हमसे गलतियां हो सकती हैं।' उन्होंने कहा कि मुंबई, नागपुर और पुणे में जांच सुविधाओं का प्रावधान किया गया है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, 'हमारे पास पर्याप्त मात्रा में मास्क है। हमें यह देखने की आवश्यकता है कि मुंबई में खाली सेवन हिल्स अस्पताल का उपयोग क्या आइसोलेशन सुविधाओं के लिए किया जा सकता है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे राज्य के विभिन्न हवाईअड्डों पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के कर्मचारियों को सफाई के लिए कपड़े और आवश्यक चीजें मुहैया कराएं। उन्होंने कहा कि होटल प्रबंधन को भी निर्देश दिया गया है कि वे जांच करें कि उनके होटलों में आने वाले विदेशी पर्यटकों की थर्मल जांच हुई है या नहीं।

उद्धव ठाकरे कहा, 'मैंने सूचना और प्रचार विभाग को रेलवे और बस स्टेशनों पर बड़े पैमाने पर जागरूकता संदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं।' ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए होली नहीं मनाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, 'जब स्वाइन फ्लू फैला था तो दही हांडी समारोह रद्द कर दिए गए थे। मैं प्रार्थना करता हूं कि होली की आग में कोरोना वायरस महामारी जल जाए। मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि अगले आठ दिन महत्वपूर्ण हैं और हमें सतर्क रहना होगा।'

गाड़ियां जब्त कर प्रॉपर्टी टैक्स वसूल रही बीएमसी, 1.28 करोड़ जमा

मुंबई। प्रॉपर्टी टैक्स वसूली के लिए बीएमसी ने नई तरकीब निकाल ली है। बीएमसी ने पिछले कुछ दिनों में प्रॉपर्टी टैक्स न भरने वाले तीन लोगों की गाड़ियां जब्त कर लीं। इससे परेशान तीनों गाड़ी मालिकों ने 1 करोड़, 28 लाख रुपये तत्काल जमा कर दिए। शुक्रवार को बीएमसी के आर उत्तर विभाग ने टैक्स नहीं जमा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

दहिसर स्थित 'मे.एनआरओ एन रोज' कंपनी पर बीएमसी का 1.6 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया था। बीएमसी की टीम ने कार्रवाई करते हुए कंपनी मालिक की गाड़ी जब्त कर ली। इसी तरह बीएमसी के के/पश्चिम विभाग ने अंधेरी

पश्चिम में लष्करिया प्रॉपर्टीज के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसका भी चार पहिया वाहन जब्त कर लिया।

बीएमसी की कार्रवाई से हड़बड़ाए मे.एनआरओ एन.रोज कंपनी ने 78 लाख एवं लष्करिया ने 50 लाख रुपये बीएमसी कार्यालय में जमा करवा दिए। इससे पहले एक कंपनी मालिक की गाड़ी जब्त करने पर उसके मालिक ने भी 50 लाख रुपये जमा करवाए थे।

महाराष्ट्र सीआईडी की वेबसाइट हैक, मोदी सरकार को चेतावनी का मेसेज पोस्ट किया

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की वेबसाइट शुक्रवार को संभवतः हैक कर दी गई और उस पर 'भारतीय पुलिस तथा मोदी सरकार' के खिलाफ मुस्लिमों की भावनाएं आहत करने से जुड़ी चेतावनी दिखने लगी। राज्य के सीआईडी प्रमुख अतुल चंद्र कुलकर्णी ने दावा किया कि यह हैकिंग नहीं थी, बल्कि परिष्कृत वेबसाइट की सुरक्षा विशेषताओं की जांच करने के लिए एक 'परीक्षण' था।

महाराष्ट्र सरकार की सीआईडी विभाग के बेवसाइट को हेक कर हेकरो ने भारत की मोदी सरकार को चेतावनी देकर अपने लिए गड्ढा खोद लिया है

हैक वेबपेज पर बोल्ड फॉन्ट में 'गवर्नमेंट ऑफ इमाम महदी' लिखा था और उस पर हाथों में झंडा लिए एक घुड़सवार की तस्वीर थी। इसके साथ ही एक संदेश भी वेबपेज पर दिख रहा था, 'भारतीय पुलिस और मोदी सरकार हम चेतावनी देते हैं, मुसलमानों को परेशान करना बंद करो..इमाम मेहदी जल्द आ रहे हैं।'

महाराष्ट्र में बजट पेश, सरकार का सपना सुहाना सफर, पेट्रोल-डीजल पर एक रुपये का ग्रीन सेस

मुंबई। तीन दलों की महा विकास आघाडी सरकार ने अपने पहले बजट में आर्थिक मंदी और कर्ज के बोझ का सामना करते हुए महाराष्ट्र को विकास के हाईवे पर दौड़ाने का सपना दिखाया है। सरकार ने भारी कर्ज और सीमित आमदनी के कारण विकास की मुश्किल डगर पर सुहाने सफर का सपना साकार करने की कोशिश की है। इसके लिए जहां किसानों, नौजवानों और व्यापारियों की लिए तिजोरी खोली गई है, वहीं पर्यावरण को संभालने के लिए पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर एक रुपये का ग्रीन सेस लगाया गया है।

महाराष्ट्र से पलायन कर रहे कपड़ा उद्योग को बचाने के लिए बिजली सब्सिडी में 75 पैसे की रियायत दी गई है। बुरे दौर से गुजर रहे रियल इस्टेट में जोश भरने के लिए वित्त मंत्री ने कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में एक प्रतिशत स्टैंप ड्यटी कम कर दी है। राज्य में महिलाओं और बच्चों पर बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए हर जिले में एक महिला पुलिस स्टेशन बनाया जाएगा। विधायकों की विकास निधि दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये कर दी गई है।

शुक्रवार को वित्त मंत्री अजित पवार ने विधानसभा

और वित्त राज्य मंत्री शंभूराज देसाई ने विधानपरिषद में साल 2020-21 के लिए 4,04,487.64 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में कुल 3,47,456.89 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का अनुमान है और 3,56,967.60 करोड़ रुपये कुल खर्च होने की उम्मीद है। इस तरह सरकार को खर्च के लिए 9,510 करोड़ रुपये कम पड़ेंगे।

इसके अलावा, सरकार को 57,030.75 कुल पूंजी प्राप्त होगी। उसमें से 47,416.92 रुपये खर्च होने का अनुमान हैं। कुल मिलाकर सरकार को 54,618.38 करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान है। वित्त मंत्री पवार ने कहा कि पिछले साल के बजट में 3,14,640.12 करोड़ रुपये की आय का अनुमान था, लेकिन केंद्र सरकार से 8,456 करोड़ रुपये की बकाया जीएसटी न मिलने के कारण राजस्व जमा 3,09,880.56 करोड़ ही हुआ।

वित्त मंत्री ने उद्योगों का पलायन रोकने और प्रोत्साहन देने के लिए बिजली कर 9.3 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इससे राज्य की तिजोरी पर सालाना 700 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। रियल इस्टेट में छाई मंदी को दूर करने के लिए स्टैंप ड्यूटी में 1 फीसद की छूट दी गई है। वित्त मंत्री के अनुसार, स्टैंप ड्यूटी में यह रियायत मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन (टटऊअ), पुणे, पिंपडी-चिंचवड और नागपुर मनपा क्षेत्र में ही लागू होगी। यह छूट अगले दो साल के लिए ही दी गई है। इससे सरकार पर 1,800 करोड़ का बोझ पड़ेगा। कपड़ा उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए 27 हॉर्स पावर से ज्यादा बिजली का उपयोग करने वाले पावरलूमों को बिजली छूट 75 पैसे बढ़ा दी गई है।

पेट्रोल और डीजल पर एक रुपये प्रतु लीटर ग्रीन सेस से सरकार को करीब 1,800 करोड़ रुपये मिलने उम्मीद है। वित्त मंत्री ने कहा, 'ग्लोबल वॉर्मिंग और क्लाइमेंट चेंज का खतरा बढ़ता जा रहा है। इससे नदियां, तालाब, जंगल और हवा प्रभावित हो रही हैं। कहीं बाढ़, तो कहीं सूखे का खतरा बढ़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण को ग्रीन फंड बनाने लिए डीजल और पेट्रोल पर सेस भावी पीढ़ियों को खुशहाली देगा। आज की पीढ़ी यह खर्च खुशी-खुशी उठाएगी।'

राज्य के डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा, 'यह आम लोगों की सरकार का आम लोगों के लिए बजट है। इसका उद्देश्य सभी वर्गों का विकास है। हम सभी घोषणाएं पूरा करने की कोशिश करेंगे।' वहीं, नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बजट में आंकड़ों को पूरी तरह से छिपा दिया गया है। इस बजट में कोई योजना ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आम जनता पर बोझ लादने वाला यह बजट है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, सोमवार
9 मार्च, 2020

योध्या पहुंचे सीएम उद्धव ठाकरे ने मंदिर निर्माण के लिए दिए एक करोड़ रुपए

बोले-मैं हिंदुत्व से अलग नहीं हुआ

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अपनी सरकार के सौ दिन का कार्यकाल पूरा होने पर शनिवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत कर कहा कि महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के लिए भी अयोध्या में महाराष्ट्र सरकार भवन बनवाएगी। इसके लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने राम मंदिर के लिए अपनी ओर से एक करोड़ रुपये देने का एलान भी किया। सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि पिछले एक देढ़ साल में तीसरी बार यहां आ रहा हूं। मैं रामलला का आशीर्वाद लेने के लिए यहां आया हूं। आज मेरे साथ मेरे 'भगवा' परिवार के कई सदस्य मौजूद हैं। मैं बीजेपी से अलग हूं, हिंदुत्व से नहीं। बीजेपी का मतलब हिंदुत्व नहीं है। हिंदुत्व अलग और बीजेपी अलग है। उन्होंने कहा कि हमारे मराठी में एक कहावत है, 'फुल न फुलाची पाकळी'।

मैं नम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि सरकार की ओर से नहीं, हमारे ट्रस्ट की ओर से एक करोड़ रुपये की राशि मैं मंदिर निर्माण के लिए घोषित करता हूं। ठाकरे ने कहा कि मैं रामलला का आशीर्वाद लेने के लिए यहां आया हूं। आज मेरे साथ मेरे 'भगवा' परिवार के कई सदस्य मौजूद हैं। पिछले 1.5 वर्षों में यह मेरी तीसरी यात्रा है। मैं बीजेपी से अलग हूं, हिंदुत्व से नहीं। बीजेपी का मतलब हिंदुत्व नहीं है। हिंदुत्व अलग और बीजेपी अलग है। ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर के लिए कानून तो नहीं बना, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के पक्ष में फैसला किया। उद्धव का यह तीसरा अयोध्या दौरा है। लोकसभा चुनाव से पहले और बाद में उद्धव ने अयोध्या का दौरा करके रामलला के दर्शन किए थे। उनका सरयू आरती और जनसभा का भी कार्यक्रम था, लेकिन कोरोनावायरस को लेकर गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा एडवायजरी के बाद भीड़ जुटने वाले कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है।

अब तक 2 बार अयोध्या आ चुके हैं उद्धव: इससे पहले 2018 में लोकसभा चुनाव से पहले और फिर उसके बाद जून 2019 में उद्धव ठाकरे पार्टी के सांसदों के साथ अयोध्या गए थे। उस दौरान वे महाराष्ट्र के शिवनेरी किले की मिट्टी भी अपने साथ ले गए थे। शिवनेरी छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान है। अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद उद्धव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वहां (अयोध्या) ऐसी शक्ति है, जिसे मैंने महसूस किया है। इसलिए, अब मैं बार-बार वहां जरूर जाऊंगा।

यस बैंक के संस्थापक और पूर्व सीईओ राणा कपूर के मुंबई में वर्ली स्थित घर पर ईडी का छापा

मुंबई। यस बैंक के संस्थापक और पूर्व सीईओ राणा कपूर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हो गया है। यानी अब राणा कपूर जांच पूरी होने तक देश से बाहर नहीं जा सकते हैं। वहीं, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत राणा कपूर के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया है। ईडी की टीम ने शुक्रवार देर रात राणा कपूर के घर पर छापेमारी की और कपूर से पूछताछ भी की गई। लॉन्ड्रिंग के जुड़े सबूतों की तलाश में दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं। राणा कपूर का घर मुंबई के वर्ली इलाके में स्थित है। दरअसल, गुरुवार को आरबीआई ने यस बैंक के खाताधरकों के लिए 50,000 रुपए की निकासी की सीमा तय की, तब बैंक का संकट उजागर हुआ। इस खबर के बाद यस बैंक के फाउंडर राणा कपूर ने मीडिया से बातचीत में कहा था- वह पिछले 13 महीने से सक्रिय नहीं हैं, इसलिए वे इस संकट पर कुछ नहीं कह सकते हैं। नवंबर 2019 में यस बैंक ने शेयर मार्केट को बताया था कि कपूर बोर्ड से पूरी तरह बाहर हो चुके हैं। राणा कपूर आरोप है कि उन्होंने यस बैंक के जरिए मनमाने तरीके से लोन बांटे और लोन के लेन-देन की प्रक्रिया भी अपने हिसाब से तय की। ये लोन कपूर ने अपने निजी संबंधों के आधार पर बड़े-बड़े लोगों को दिए। यस बैंक ने अनिल अंबानी ग्रुप, आईएलएंडएफएस, एस्सेल ग्रुप, रेडियस डिवेलपर्स, सीजी पावर और एस्सार पावर जैसे समूहों को लोन दिए हैं। आरोप है कि बड़े कारोबारियों को लोन दिलाने में राणा कपूर की सहमति रही है। 2017 में यस बैंक ने 6,355 करोड़ रुपए की रकम को बैड लोन में डाल दिया था। 2018 में राणा कपूर पर कर्ज और बैलेंसशीट में गड़बड़ी का आरोप लगा, जिसके बाद आरबीआई ने उन्हें चेयरमैन के पद से हटा दिया था। यस बैंक में 3 अप्रैल तक रकम निकासी की सीमा 50,000 रुपए तय की गई है। निवेशक हर रोज 50,000 तक नहीं, बल्कि 3 अप्रैल तक कुल इतनी राशि निकाल सकेंगे। सरकार के इस फैसले के बाद से खाताधारकों में हड़कंप मचा है। हालांकि, आपात स्थिति में निकासी की सीमा 5 लाख रुपए तक की तय की गई है। पढ़ाई, इलाज और शादी के लिए ज्यादा रकम निकाल सकेंगे। फिलहाल, रकम निकासी की लिमिट 3 अप्रैल तक जारी रहेगी। वहीं आरबीआई ने यस बैंक की वित्तीय हालत सुधारने के लिए अगले एक महीने के लिए बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का टेकओवर कर लिया है। 3 अप्रैल से पहले बैंक का पुनर्गठन कर दिया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एनआईए का दावा

एनआईए पिछले कुछ दिनों में पुलवामा हमले के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। तीन दिन पहले हकीरपोरा इलाके से एक ट्रक ड्राइवर और उसकी बेटी को भी आतंकियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि शुरूआती पूछताछ में इस्लाम ने बताया कि आईईडी बनाने का केमिकल, बैटरी और अन्य सामान खरीदने के लिए उसने अपना अमेजन ऑनलाइन शॉपिंग का अकाउंट इस्तेमाल किया था। उसने जैश ए मोहम्मद के पाकिस्तानी आतंकियों के निर्देशों पर यह सामान खरीदा था। प्रवक्ता के अनुसार इस्लाम ने अमेजन से डिलीवरी होने के बाद खुद जाकर यह सामान जैश के आतंकियों को सौंपा था। पिछले साल 14 फरवरी को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने आत्मघाती हमला किया था। इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने हमले के लिए 350 किलो आईईडी का इस्तेमाल किया था। पुलवामा हमला कश्मीर में 30 साल का सबसे बड़ा आतंकी हमला था। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी।

ताहिर की पिस्तौल...

पूर्वी दिल्ली के ब्रह्मपुरी में मिठाई की दुकान में काम करने वाले दिलबर सिंह नेगी की हत्या के 27 साल के आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है। नेगी का शव 26 फरवरी को मिला था। उनका हाथ-पैर कटा हुआ था और शव को जलाया गया था। इधर दिल्ली की एक कोर्ट ने पुलिस पर पिस्तौल तानने वाले आरोपी शाहरुख खान की हिरासत अवधि शनिवार को तीन दिन के लिए बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पीएफआई के 22 कार्यकताओं को जमानत देने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। पीएफआई के इन कार्यकर्ताओं को पिछले साल 19 दिसंबर को मेंगलुरू में सीएए के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और पुलिस पर हमला करने का आरोप है। चीफ जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस बीआर गवई और सूर्यकांत की पीठ ने शुक्रवार को कर्नाटक पुलिस की दाखिल याचिका पर सीएए के विरोध में हुए प्रदर्शन में शामिल लोगों को नोटिस भी जारी किए हैं।

महिला दिवसः इंसाफ की तसल्ली उसी दिन होगी...

सिर्फ हमें (महिलाओं) अपने आपको पहचानने की जरूरत है। दुख इस बात का है अब भी महिलाओं के साथ होने वाले अपराध नहीं रुक रहे हैं। कानून व्यवस्था की खामियां इसकी जिम्मेदार हैं। निर्भया केस इसका बड़ा उदाहरण है। मेरी बेटी के साथ बर्बरता की गई और उसकी जान चली गई। चारों दोषियों को फांसी की सजा हुई, लेकिन जिस तरह तीन बार फांसी की तारीख बदली, वह हैरान करने वाला है। मैं हर दिन कोर्ट में एक उम्मीद के साथ जाती थी, लेकिन शाम को निराशा के साथ लौटती। खैर, अब पूरी उम्मीद और विश्वास है कि इस बार ऐसा नहीं होगा और निर्भया के चारों दरिंदे तय दिन फांसी के फंदे पर लटकेंगे। वास्तव में इंसाफ की तसल्ली उसी दिन होगी। इससे समाज में एक बड़ा संदेश भी जाएगा कि कानून को हाथ में लेने वाला कोई भी दरिंदा नहीं बचेगा। इस संघर्ष में मेरा साथ वकील, मीडिया, पुलिस की ओर से पूरा मिला। बेशक ये सभी लोग अपना अपना काम कर रहे थे, लेकिन वे सभी भावनात्मक रूप से हमें इंसाफ पाने का ढांढस बंधाते रहे। थोड़ा मलाल इस बात का रहेगा कि निर्भया का एक दोषी जो नाबालिग था, वह बच गया। यहीं पर कानून को बदलने की जरूरत है। जब नाबालिग को पहले से पता होगा कि उस पर सख्त कार्रवाई होने वाली नहीं, तो वह डरेगा कैसे।

के.पी.बी. हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स ट्रामोर का दूसरा संस्करण प्रस्तुत

TREMOR 2020 - एक अकादमिक कॉन्क्लेव सफलता आपके जीवन में आपके द्वारा हासिल की गई चीजों के बारे में नहीं है, यह वह है जो आप दूसरों को करने के लिए प्रेरित करते हैं। शानदार प्रदर्शन और बेदाग प्रयास चमत्कार पैदा कर सकते हैं। बीएमएस विभाग के एक पहल के.पी.बी. हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स ट्रामोर का दूसरा संस्करण प्रस्तुत करता है - ट्रेजरी के लिए एक जॉनी से। छात्रों के लिए अपनी क्षमताओं को समृद्ध करने और अपनी क्षमता को अपने कौशल का परीक्षण करने के लिए एक मंच के साथ एक शैक्षणिक कॉन्क्लेव। प्रिंसिपल, डॉ. मीनू मदलानी, वाइस प्रिंसिपल और बीएमएस को-ऑर्डिनेटर, डॉ. अंतारा सोनवणे और बीएमएस डिपार्टमेंट की सभी सम्मानित फैकल्टीज सुश्री जागृति दरजी, डॉ. शीतल मोदी, डॉ. रश्मि मौर्या के सहयोग से आयोजित किया गया। 8 और 9 फरवरी, 2020 को केपीबी पर हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स, चरनी रोड पूरे मुंबई के विभिन्न प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्रों की भागीदारी के साथ। अकादमिक कॉन्क्लेव में प्रबंधन और प्रशासन की घटनाओं और गतिविधियों के संयोजन के साथ उत्साह और मनोरंजन शामिल है। थीम 2020 के लिए थीम YouTube दुनिया की अवधारणा के चारों ओर घूमती है। थीम को यात्रा में मंचित घटनाओं के सेट में अपने अनुभवों को साझा करने और अपने अनुभवों को साझा करके ट्रेमर प्लेटफॉर्म पर खुद को चित्रित करने के उद्देश्य से YOUMOR कहा जाता है। टीम ट्रेमर के कलात्मक और बौद्धिक छात्रों द्वारा विभिन्न प्रबंधन और फ्लैगशिप इवेंट जैसे कॉर्पोरेट कैओस, सोशल ब्लेड, यूट्यूब अनसॉल्व्ड और कई और कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम के मार्गदर्शन और उत्कृष्टता के साथ टीम का नेतृत्व करने वाले टीम टरमोर, शीमायला अजीम और मोंटू जैन के अध्यक्ष, एक टीम को और अधिक एक परिवार की तरह, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण के साथ दूसरे संस्करण की सफलता के लिए एकान्त प्रेरणा के रूप में काम किया। उच्चतम शिखर को छूना। यह आयोजन एक सकारात्मक और सफल नोट पर संपन्न हुआ, जो कि TREMOR के अनपेक्षित अध्यायों के लिए एकता और प्रतिबद्धता के साथ लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण था।

➤ सफल विकास वेलफेअर सोसायटी के संस्थापकिय सचिव व राष्ट्र सेवा दल मालवणी की सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती वैशाली महाडिक, साक्षर वेल्फेअर सोसायटी की संस्थापक, श्रीमती स्नेहा मालिपेड़ी (सेला)और दिशा फॉउंडेशन की संस्थापक व राष्ट्र सेवा दल मालवणी की सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती रुबीना खान को महिला दिन के उपलक्ष्य में दिनांक 8 मार्च 2020 को उनके द्वारा सामाजिक कार्य के लिए सैनिक भारती ह्यूमानिटी फॉउंडेशन की ओर से नारी रत्न पुरस्कर से दूरदर्शन के सहायक निर्देशक श्री नरेन्द्र विभूते, सैनिक भारती ह्यूमानिटी फॉउंडेशन अध्यक्षा श्रीमती प्रतिमा राव, टीडीएँफ अध्यक्ष जनार्दन जंगले के हाथों से सन्मान चिन्ह और पुष्प गुच्छ देकर सन्मानित किया गया।

➤ हम सभी के अंदर एक 'वंडर वुमन' है। जय हिंद कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने इस कथन को काफी शाब्दिक रूप से सिद्ध किया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, जय हिंद कॉलेज का रोटारैक्ट क्लब अपनी विरासत परियोजना चीख के साथ वापस आ गया है। हर साल वे महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं और इस साल उन्होंने महिलाओं को आत्मरक्षा सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर में लगातार वृद्धि हो रही है और यह समय है कि हर महिला को आत्मरक्षा सीखना शुरू करना चाहिए।

अपराधी अपने शिकार से वापस लड़ने की उम्मीद नहीं करता है। हो सकता है वह आपको कभी न चुने, लेकिन, अगर वह ऐसा करता है, तो उसे आश्चर्य होगा। - जेफ कूपर।

आयोजन अध्यक्षों हेमाक्षी छेडा और मुस्कान लयानी ने कहा आज के समय में, हर महिला को आत्मरक्षा सीखना बहुत जरूरी है। अपने Flashmobs के माध्यम से हम उम्मीद करते हैं कि सभी महिलाएँ वहाँ तक पहुँचेंगी।

'घरेलू काम करने और पीड़ा उठाने वाली महिला की रूढ़िवादिता से दूर हटकर, हम आरसीजेसी यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर महिला अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए खुद में आशा और शक्ति रखे।' - धृति छेडा, अध्यक्ष (आरसीजेसी)

दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान जी को उनके उत्तम पत्रकारिता के लिए CINEMA AAJ TAK ACHIEVERS AWARDS 2020 से किया गया सम्मानित

CINEMA AAJ TAK ACHIEVERS AWARDS 2020 प्रोग्राम में दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान जी को उनके उत्तम पत्रकारिता के लिए सावन कुमार (निर्माता व निर्देशक), अरूण बख्शी (अभिनेता), अली खान (अभिनेता) वह कुछ दिग्गज सितारों के हाथों सम्मान रत्न अवॉर्ड देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर फिल्मी दुनिया के कई दिग्गज सितारे जैसे एंकर रहमत सईद, कॉमेडियन सुनिल पॉल, राकेश कपूर (गायक), शिरिन फरीद World Renowed Classical Dancer Holi Song, कल्याण जी जाना जैसे कई दिग्गज सितारे मौजूद थे। इस प्रोग्राम में कई फिल्मी हस्तियों को सम्मान रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया। इस मौके पर दिलशाद खान जी ने CINEMA AAJ TAK ACHIEVERS AWARDS 2020 के संस्थापक नरेंद्र शर्मा जी CINEMA AAJ TAK MAGAZINE ASSOCIATION का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सतीश अग्रवाल जी का जन्मदिन भी मनाया गया है।

भारत में कोरोनावायरस: केरल में 5 नए मरीज मिले

देश में संक्रमण के 41 केस, दिल्ली में 337 लोग आइसोलेशन में रखे गए

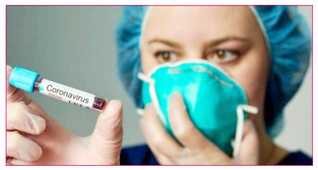

भारत में कोरोनावायरस के अब तक 41 मामले सामने आ चुके हैं। केरल में रविवार को पांच नए मरीजों में संक्रमण पाया गया। इनमें से तीन मरीज हाल ही में इटली से लौटे थे। तमिलनाडु में भी एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया है। यहां शनिवार को भी ओमान से लौटे एक व्यक्ति में संक्रमण पाया गया था। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में विदेशी यात्रियों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। विदेशियों को यहां आने के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट (पीएपी) लेना होता है, जिस पर पाबंदी लगा दी गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वहां अब तक संक्रमण के तीन पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं, जबकि एक व्यक्ति संदिग्ध है। केजरी ने कहा- पहला संक्रमित 105 लोगों के संपर्क में आया था, दूसरा 168 और तीसरा 64 लोगों के संपर्क में आया था। सभी 337 लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और इनके नमूने जांच के लिए भेज दिए गए हैं। शनिवार को अमृतसर में इटली से लौटे दो, लद्दाख में ईरान से लौटे दो, तमिलनाडु में ओमान से लौटे एक व्यक्ति में कोरोनावायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई थी। केरल की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने कहा- राज्य में पांच लोगों में कोरोनावायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से तीन हाल ही में इटली से लौटे थे। उनके संपर्क में आने से अन्य दो को वायरस का संक्रमण हुआ। सभी को आइसोलेशन वार्ड में रखकर उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं, तमिलनाडु की स्वास्थ्य सचिव बीला राजेश ने कहा कि बीमारी से निपटने के लिए पूरे इंतजाम किए गए हैं। मरीज की हिस्ट्री भी खंगाली जा रही है। कोरोनावायरस के संक्रमण की जांच के लिए देशभर में 52 लैब बनाई गई हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने स्वास्थ्य और शोध विभाग के साथ मिलकर ये लैब बनाई हैं। आईसीएमआर के मुताबिक, दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज समेत देश के अलग-अलग स्थानों पर वायरस रिसर्च एंड डॉयग्नॉस्टिक लैब (वीआरडी) नमूने एकत्रित कर रही हैं। 6 मार्च तक 3,404 लोगों के 4,058 सैंपल की जांच की जा चुकी है। इनमें चीन के वुहान शहर से लाए गए 654 लोगों के 1,308 सैंपल भी शामिल हैं।

हिंसा के आरोपियों के होर्डिंग्स लगाने पर हाईकोर्ट ने कहा- प्रदर्शनकारियों के पोस्टर लगाना अन्यायपूर्ण, यह आजादी का हनन

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपियों की होर्डिंग्स लगाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। राज्य सरकार ने लखनऊ में 19 दिसंबर को हुई हिंसा में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों के होर्डिंग्स लगाए थे। इस मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस गोविंद माथुर ने स्वतः संज्ञान लिया। छुट्टी होने के बावजूद रविवार को चीफ जस्टिस माथुर और जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने इस पर सुनवाई की। बेंच ने कहा- कथित सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के पोस्टर लगाने की सरकार की कार्रवाई बेहद अन्यायपूर्ण है। यह संबंधित लोगों की आजादी का हनन है। अदालत ने राज्य सरकार के अफसरों से कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं किया जाना चाहिए, जिससे किसी के दिल को ठेस पहुंचे। पोस्टर लगाना सरकार के लिए भी अपमान की बात है और नागरिक के लिए भी। चीफ जस्टिस ने लखनऊ के डीएम और पुलिस कमिश्नर से पूछा कि किस कानून के तहत लखनऊ की सड़कों पर इस तरह के पोस्टर सड़कों पर लगाए गए? उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर संबंधित व्यक्ति की इजाजत के बिना उसका फोटो या पोस्टर लगाना गलत है। यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है। 19 दिसंबर, 2019 को जुमे की नमाज के बाद लखनऊ के चार थाना क्षेत्रों

में हिंसा फैली थी। ठाकुरगंज, हजरतगंज, कैसरबाग और हसनगंज में तोड़फोड़ करने वालों ने कई गाड़ियां भी जला दी थीं। राज्य सरकार ने नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से कराने की बात कही थी। इसके बाद पुलिस ने फोटो-वीडियो के आधार पर 150 से ज्यादा लोगों को नोटिस भेजे। जांच के बाद प्रशासन ने 57 लोगों को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का दोषी माना। इनसे करीब 88 लाख रुपए के नुकसान की भरपाई कराने की बात कही गई। प्रशासन ने 5 मार्च की रात को 57 आरोपियों के नाम, पते और तस्वीर वाले होर्डिंग लगा दिए। तोड़-फोड़ वाले इलाकों में यह कार्रवाई की गई थी। होर्डिंग्स में हसनगंज, हजरतगंज, कैसरबाग और ठाकुरगंज इलाकों के 57 लोगों से 88,62,537 रुपए वसूलने की बात भी कही गई थी। लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश ने कहा था- अगर तय वक्त पर इन लोगों ने जुर्माना नहीं भरा, तो इनकी संपत्ति की कुर्की की जाएगी। जिन लोगों के होर्डिंग लगाए गए उनमें आईपीएस एसआर दारापुरी, एक्टिविस्ट सदफ जफर और दीपक कबीर शामिल हैं। कबीर ने कहा- सरकार डर का माहौल बना रही है। होर्डिंग में शामिल लोगों की कहीं भी मॉब लिंचिंग हो सकती है। दिल्ली हिंसा के बाद माहौल सुरक्षित नहीं रह गया है। सरकार सबको खतरे में डालने का काम कर रही है। इस मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने स्वतः संज्ञान लेने के बाद रविवार सुबह सुनवाई की। इसके बाद अदालत ने दोपहर 3 बजे तक अफसरों से जवाब फाइल करने को कहा। दोपहर में हुई सुनवाई के बाद, अदालत ने फैसला आदेश सुरक्षित रख लिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

योगी ने लगवाए उपद्रवियों के पोस्टर, कांग्रेस बोली- मानवाधिकार का उल्लंघन

लखनऊ। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में शहर में आगजनी और तोड़फोड़ के दोषियों पर प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने तोड़फोड़ के दोषियों के नाम, फोटो और पते के साथ बड़े-बड़े होर्डिंग शहर के चौराहों पर लगवा दिए हैं। हालांकि सरकार के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कांग्रेस ने कहा कि सरकार न सिर्फ लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी का मजाक बना रही है बल्कि अदालत के फैसले को खुलेआम चुनौती दे रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कई अदालतों ने अपने फैसले में कहा है कि इस आंदोलन में हुई हिंसा और आगजनी में हुए संपत्ति के नुकसान के आकलन का हक पुलिस-प्रशासन नहीं

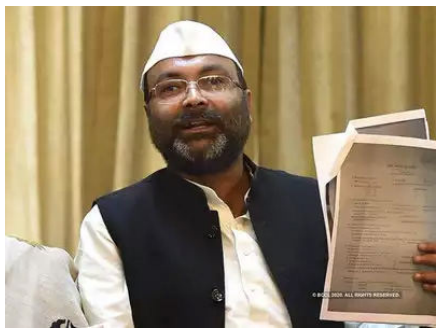

बल्कि अदालत को है। यह अदालत की अवमानना है, कोर्ट को इसका संज्ञान लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों का पोस्टर लखनऊ में चिपकाकर योगी आदित्यनाथ की सरकार मानसिक उत्पीड़न कर रही है, उन आंदोलनकारियों के खिलाफ अदालत में कोई मजबूत सबूत नहीं मिला और जज ने पुलिस को कड़ी फटकार लगाई थी।

लल्लू ने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री एक साम्प्रदायिक गिरोह के सरगना रहे हैं। उनके संगठन और उनके ऊपर न जाने कितने साम्प्रदायिक हिंसा भड़काने के मुकदमे दर्ज है। अगर क्षतिपूर्ति का यही तरीका है तो सबसे पहले इसकी शुरूआत योगी को खुद करके उदाहरण पेश करना चाहिए।

बता दें कि शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से लगाए गए होर्डिंग के मुताबिक, आरोप सिद्ध होने के बाद निर्धारित तिथि तक अगर दोषी पाए गए लोगों ने जुमार्ना जमा नहीं किया तो उनकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। जिला प्रशासन ने दोषियों के पोस्टर संबंधित क्षेत्रों में लगवाने की कवायद शुरू कर दी है। राजधानी में नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में 19 दिसंबर को खदरा, परिवर्तन चौक, हुसैनाबाद और कैसरबाग में उपद्रव हुआ था। इस दौरान उपद्रवियों ने सरकारी और निजी वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ ही आगजनी भी की थी।

खदरा में हुई हिंसा में 13 लोगों से 21,76,000 रुपये की, परिवर्तन चौक पर हुई हिंसा में 24 लोगों से 69,65,000 रुपये की, ठाकुरगंज में हुई हिंसा में 10 लोगों से 67,73,900 रुपये की और कैसरबाग में 06 लोगों से 1,75,000 रुपये की वसूली होनी है।

दिल्ली दंगेः जाफराबाद में वारदात में इस्तेमाल शाहरुख की पिस्टल बरामद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में सरेआम पिस्टल से फायरिंग कर सुर्खियों में आए शाहरुख पठान से क्राइम ब्रांच ने वारदात में इस्तेमाल पिस्टल बरामद कर ली है। पुलिस टीम शाहरुख को घोंडा के अरविंद नगर स्थित उसके घर ले गई और जहां से पिस्टल रिकवर हो गई।

इससे पहले गुरुवार को जांच अफसरों ने यूपी के मुजफ्फरनगर जिले से फरारी के लिए इस्तेमाल कार और मोबाइल फोन बरामद कर लिया था। हालांकि अभी पुलिस को एक मोबाइल फोन बरामद करना है, जिसे शाहरुख ज्यादा इस्तेमाल करता था।

जानकारी के मुताबिक, शाहरुख की चार दिन की रिमांड शनिवार को खत्म हो रही है। इसलिए जांच टीम उसके खिलाफ सभी तरह के सबूत जुटाने में लग गई है लेकिन अभी तक वह

मोबाइल फोन बरामद नहीं हुआ है, जिसे वह इस्तेमाल करता था।

कैराना में मिली उसकी कार से सिर्फ वही मोबाइल फोन मिला, जो उसने वहां खरीदा था और उसमें पुराना सिम डाला था। शाहरुख की रिमांड खत्म हो रही है, इसलिए पुलिस उससे पूछताछ के लिए अदालत से रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है।

यूपी में निवेशकों को भा रहा अयोध्या, मथुरा और काशी

लखनऊ। यूपी में बदले माहौल में पर्यटकों का आना बढ़ा तो पीछे-पीछे निवेशक भी चले आए। करीब तीन साल में पर्यटन विभाग को हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में मिले 120 निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरने की ओर हैं। खास बात यह है कि लखनऊ, आगरा के साथ निवेशकों की नई पसंद अब अयोध्या, मथुरा और काशी भी है।

पर्यटन विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि तीन साल में करीब 5,713 करोड़ रुपये का निवेश हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में आया है। इससे यूपी में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ने के साथ 21 हजार रोजगार भी पैदा होंगे। इसमें अधिकतर निवेश बजट होटल खोलने के लिए आए हैं। कुछ निवेशकों ने एडवेंचर टूरिजम, कन्वेंशन सेंटर, हेरिजेट होटल, रिसॉर्ट, थीम पार्क, वेलनेस सेंटर खोलने में भी रुचि दिखाई है।

राजधानी में ही टूरिज्म ट्रेनिंग सेंटर और

फाइव स्टार होटल के लिए 1,500 करोड़ से अधिक का निवेश हुआ है। आध्यात्मिक व धार्मिक पर्यटन पर सरकार के बढ़े फोकस के बाद निवेशकों ने भी 'धर्मनगरियों' की ओर कदम बढ़ा दिया है। लखनऊ के लिए 22 निवेश, तो काशी के हिस्से में 13 निवेश प्रस्ताव आए। अयोध्या और मथुरा में 12-12 निवेश प्रस्ताव हकीकत की शक्ल ले रहे हैं। राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ होने के बाद अयोध्या में निवेशकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

बेहतर होती कनेक्टिविटी व विलेज टूरिजम के बढ़ते चलन को भी निवेशक आंकने में लग गए हैं। इसलिए यूपी के छोटे शहरों तक भी इंडस्ट्री पहुंच रही है। पश्चिमी यूपी में नोएडा, ग्रेटर नोएडा के साथ मुजफ्फरनगर भी निवेशकों को पसंद आने लगा है। सर्वाधिक सात प्रस्ताव मुजफ्फरनगर के लिए ही आए हैं। इनके अलावा झांसी, अलीगढ़, मेरठ, कानपुर, बरेली, सारनाथ, लखीमपुर खीरी और सहारनपुर में भी निवेशकों ने रुचि दिखाई है। बाराबंकी, जौनपुर, प्रयागराज, महोबा, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, श्रावस्ती, कुशीनगर, श्रावस्ती, उन्नाव, हाथरस, रायबरेली और अमरोहा के लिए भी निवेश प्रस्ताव हैं।

दंगाइयों पर कार्रवाई से बौखला गए हैं अखिलेशः बीजेपी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि दंगाइयों पर हो रही कार्रवाई से वह बौखला गए हैं। उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रवक्ता डॉ. चंद्रमोहन ने कहा कि अखिलेश को सबसे ज्यादा चिढ़ बीजेपी सरकार द्वारा आर्तकियों और दंगाइयों पर की जा रही सख्त कार्रवाई से है। चंद्रमोहन ने एक बयान में कहा कि दंगाइयों के बेनकाब चेहरे समाज के सामने आने से इनके सबसे बड़े पैरोकार यादव बौखला गए हैं।

अखिलेश ने बयान दिया था कि प्रदेश की बीजेपी सरकार नाकामी का रिकार्ड बना रही है। इस पर बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, ऐसा बेतुका बयान देकर अखिलेश अपनी बौखलाहट ही जाहिर कर रहे हैं। इनके इस बयान के कई मायने भी हैं। पहला यह कि इनका यह बयान साबित करता है कि एसपी जैसी क्षेत्रीय पार्टी के स्वयंभू अध्यक्ष बनने के बाद भी उनकी सोच देश विरोधी ताकतों को संरक्षण देने की है। दूसरा उन्होंने अपनी एसपी सरकार के दौरान आर्तकियों से मुकदमे वापस लेने की कार्रवाई की थी। यही वजह है कि उन्हें प्रदेश की बीजेपी सरकार की विकास योजनाएं दिखाई नहीं दे रही हैं।

चंद्रमोहन ने कहा, प्रदेश सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास चल रहा है। इन उपायों से किसानों में खुशहाली बढ़ी है, जबकि एसपी सरकार में किसान आत्महत्या कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रखी है। चुन-चुनकर भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई हो रही है।

सीसीटीवी निगरानी में जांची जाएंगी यूपी बोर्ड की कॉपियां, लखनऊ में 4 मूल्यांकन केंद्र बनाने का प्रस्ताव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में 18 फरवरी से शुरू हुईं यूपी बोर्ड की परीक्षाएं शुक्रवार को संपन्न हो गईं। 112 केंद्रों पर हुई परीक्षा में एक लाख 12 हजार 76 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसमें से करीब 1300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सख्ती की वजह से परीक्षा छोड़ दी। अब कॉपियों के मूल्यांकन की तैयारी शुरू हो गई है। राजधानी में चार केंद्रों पर हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा की कॉपियों मूल्यांकन किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा के बाद कॉपियों का मूल्यांकन भी सीसीटीवी की निगरानी में किया जाएगा। निगरनी के लिए हर मूल्यांकन केंद्र पर करीब 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों पर भी सख्त निगरानी रखी जाएगी। ये शिक्षक मूल्यांकन केंद्र के भीतर स्मार्टफोन नहीं ले जा सकेंगे। मूल्यांकन के दौरान किसी शिक्षक को कॉपी में पैसे लगे मिलते हैं तो उस कॉपी को तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा। डीआईओएस मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज-निशातगंज, राजकीय इंटर कॉलेज-हुसैनाबाद, राजकीय जुबली इंटर कॉलेज और अमीनाबाद इंटर कालेज को मूल्यांकन केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। हर केंद्र पर करीब दो-दो लाख कॉपियां जांची जाएंगी।

हमेशा सैलानियों से गुलजार रहने वाले इटली पर कोरोना का इफेक्ट, देखें तस्वीरें

दुनिया भर के ट्रैवलर्स के बीच फेमस इटली इन दिनों कोरोना वायरस से जूझ रहा है। कोरोना के कारण इटली में टूरिज्म इंडस्ट्री को काफी नुकसान हो रहा है। इन तस्वीरों में देखें इटली पर कोरोना का इफेक्ट

सुनसान पड़ा कालीजीयम

रोमन साम्राज्य द्वारा बनाए गए कालीजीयम के आसपास हमेशा सैलानियों की भीड़ रहती है, लेकिन कोरोना वायरस के डर से यह जगह सुनसान पड़ा है।

मिलान कैथेड्रल

कोरोना के डर से फेमस मिलान कैथेड्रल को भी अब आंशिक रूप से बंद कर दिया गया है। कोरोनावायरस से सुरक्षा के लिए सैलानी मास्क पहनकर कैथेड्रल आ रहे हैं।

बंद हुआ सेंट रोच चर्च

कोरोना वायरस के डर से इटली के फेमस सेंट रोच चर्च अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

खाली पड़ी कुर्सियां

फेमस सेंट मार्क स्क्वॉयर के एक रेस्तरां के बाहर खाली पड़े टेबल्स, जो आमतौर पर पर्यटकों से भरा होते हैं।

खाली पड़ा वेनिस लैगून

वेनिस में सेंट मार्क स्क्वॉयर के सामने नावों के बगैर वेनिस लैगून, जहां आमतौर पर काफी भीड़ होती है।

सेंट मार्क स्क्वॉयर

वेनिस के लगभग खाली पड़ा सेंट मार्क स्क्वॉयर में तस्वीर लेते पर्यटक

विटोरियो वेनेटो स्क्वॉयर

विटोरियो वेनेटो स्क्वॉयर में आमतौर पर पर्यटकों से भरा देखा जाता है लेकिन इटली में कोरोना वायरस फैलने के बाद यह खाली नजर आ रही है।

सेंट पीटर्स स्क्वॉयर

वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वॉयर पर मास्क पहनी हुई महिला

गॉन्डोला चलाने वाले खाली बैठने को मजबूर

वेनिस शहर में मौजूद नहरों में गॉन्डोला राइड का मजा लेने के लिए भी दुनियाभर से पर्यटक आते हैं। लेकिन इन दिनों यहां काफी सन्नाटा है। गॉन्डोला चलाने वाले लोग इन दिनों खाली बैठने को मजबूर हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
पारिवारिक सदस्य के कारण तनाव मिल सकता है। शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढेगी।

वृष
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया जा रहा काम सार्थक होगा। दांपत्य जीवन में तनाव आएगा। भागदौड़ रहेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मिथुन
पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कर्क
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। विरोधी सक्रिय हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।बीमारियां घेर सकती हैं।

सिंह
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, समान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

कन्या
शिक्षा की दिशा में सफलता मिलेगी लेकिन पारिवारिक या व्यावसायिक तनाव मिल सकता है। व्यर्थ की उलझनें भी मिलेंगी।

तुला
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उच्च अधिकारी या घर के मुखिया से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु
रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी मूल्यवान वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

मकर
शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। कुछ पारिवारिक या स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी रहेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुंभ
यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन
जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा लेकिन भावुकता पर नियंत्रण रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मुंबई से एलिफेंटा और मांडवा का सफर महंगा, किराया 10 से 15 फीसदी बढ़ा

अगर आप मुंबई जा रहे हैं और गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा या मांडवा घुमने जाना चाहते हैं, तो आपको थोड़े ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। दरअसल गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा और भाऊ का धक्का से मांडवा का सफर महंगा हो गया है। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने जल यातायात के किराए में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। लकड़ी के जहाजों के किराए में 10 प्रतिशत और कॉटरमरान जहाजों के किराए में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि 2 साल बाद जल यातायात के किरायों में वृद्धि की गई है।

डीजल की दरों में बढ़ोतरी और नए टैक्स की वजह से किराए में बढ़ोतरी की गई है। नई दरों के अनुसार, भाऊ का धक्का से मांडवा जाने के लिए लोगों को 115 रुपये खर्च करने पड़ेंगे, जबकि पहले इस सफर के लिए 105 रुपये खर्च करने पड़ते थे। गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा के सफर के लिए लोगों को पहले 180 रुपये खर्च करने पड़ते थे, अब यह सफर 200 रुपये में पूरा होगा। पिछले कई महीनों से विभिन्न संगठन किराए में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। गौरतलब है कि बीते कुछ सालों में मुंबई में जल मार्ग से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

आकड़ों के अनुसार, केवल मुंबई से ही हर साल 10 लाख से अधिक यात्री मुंबई से मांडवा के बीच में सफर करते हैं। मुंबई पोर्ट ने भी नए मार्ग पर सेवा शुरू करने का फैसला किया है। यात्रियों को अब तक गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जाने के लिए 180 रुपये और भाऊ का धक्का से मांडवा जाने के लिए 105 रुपये बतौर किराया चुकाना पड़ता था। किराया वृद्धि के बाद अब गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जाने के लिए 200 रुपये और भाऊ का धक्का से मांडवा जाने के लिए 115 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाइटमेयर डिसऑर्डरः डराके गया सपना...!

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुःस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते। यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दुःस्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छुड़ाने की प्रक्रिया के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जुड़ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास पढ़ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं। यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुःस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर सतर्कता से करें नियंत्रित

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है।

जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

- पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है
- लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा
- अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए
- भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए
- आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई काबोर्हाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें
- अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें
- चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें
- व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

भोजन की गंध से जी मितलाए?

गर्भावस्था के शुरूआती महीनों में जी मिचलाना और मितली आना, खासकर सुबह-सुबह, एक सामान्य लक्षण है। इसे मॉर्निंग सिकनेस कहा जाता है। इससे समायोजन करने के लिए तरह-तरह के उपाय भी बताए जाते हैं, जैसे सुबह उठते ही बिस्किट जैसा कुछ थोड़ा-सा खा लेना। दिन भर में किसी भी वक्त भारी भोजन करने के बजाए, थोड़ी-थोड़ी देर में, थोड़ा-थोड़ा खाना वगैरह। इस असुविधा को स्त्रियां आराम से निभा ले जाती हैं।

लेकिन हममें से कइयों ने सुना होगा कि फलां बुआ तो गर्भावस्था में पानी तक नहीं पी पाती थीं, उसे भी पहले घूंट में ही उगल देती थीं या फलां दीदी को तो भोजन की सुगंध से ही मितली आती थी। दरअसल कुछ स्त्रियों की तकलीफ मॉर्निंग सिकनेस से काफी गंभीर होती है। मॉर्निंग सिकनेस की तरह सामान्य उपायों से कम भी नहीं होती। गर्भावस्था में मितली और जी मितलाने के इन गंभीर लक्षणों को हाइपरेमेसिस ग्रेविडेरम कहा जाता है। अक्सर परिवार के लोग समझ नहीं पाते कि यह मॉर्निंग सिकनेस से अलग है, अतः हाइपरेमेसिस की शिकार स्त्रियां घर वालों के तानों की भी शिकार होती हैं मसलन, 'इन्हें तो अनोखा ही होने वाला है, 'अरे हमें भी तो बच्चे हुए थे, हमारा भी जी घबराता था मगर हमने ऐसे नाटक कभी नहीं किए कि रसोई में घुसने से ही इनकार करें वगैरह।

दरअसल इस समस्या की शिकार गर्भवतियों को तानों की नहीं सहानुभूति, प्यार और देखभाल की जरूरत होती है ताकि वे अपनी तकलीफ हंसते-हंसते सह जाएं। इन्हें बराबर अपने चिकित्सक के भी संपर्क में रहना चाहिए ताकि सुरक्षित समझने पर डॉक्टर इन्हें कोई दवा भी दे सके। गर्भवती, उसके पति और परिवार सभी के लिए जरूरी है कि वे गर्भावस्था के वैज्ञानिक पहलुओं को समझें और तदनुसार गर्भवती महिला की देखभाल करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, सोमवार
9 मार्च, 2020

धोनी करेंगे जोरदार वापसी! नेट पर फैलाई सनसनी, ठोके लगातार 5 छक्के

चेन्नई। दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी जल्द ही मैदान पर वापसी करने वाले हैं. आईपीएल-2020 के लिए उन्होंने कमर कस ली है. आईपीएल के शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं. चेन्नई सुपर किंग्स और गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच 29 मार्च को मुंबई में होने वाले मुकाबले के साथ आईपीएल के 13वें सीजन का आगाज हो जाएगा.

इस बीच सीएसके के कप्तान धोनी प्रैक्टिस में जुट गए हैं. चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में वह लगातार पसीना बहा रहे हैं. शुक्रवार को नेट पर 38 साल के धोनी अपने पुराने रंग में दिखे. उन्होंने एक के बाद एक पांच छक्के उड़ाए.

स्टार स्पोर्ट्स तमिल ने धोनी के इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया है. जिसमें वह नेट्स पर 'बैक टू बैक' पांच छक्के मारते देखे जा सकते हैं.

पिछले साल जून-जुलाई में कउउ वर्ल्ड कप के बाद से 38 साल के धोनी के खेल भविष्य को लेकर लगातार अटकलों का दौर जारी रहा. अब यह स्पष्ट हो गया है कि वह आगामी कढछ 2020 के लिए तैयार हैं. कढछ 29 मार्च से शुरू होगा.

धोनी की कप्तानी में सीएसके ने तीन बार आईपीएल ट्रॉफी हासिल की है. पिछली बार उसे फाइनल में मुंबई इंडियंस से हार मिली थी. धोनी के प्रदर्शन की बात करें, तो उन्होंने आईपीएल में चेन्नई की ओर से 160 मैचों में 44.34 की औसत से 3858 रन बनाए हैं.

कोरोना वायरस का खौफ, प्रीमियर लीग के मैचों में हाथ नहीं मिलाएंगे खिलाड़ी

लंदन। कोरोना वायरस से बचाव के तहत प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नमेंट के मैचों के दौरान खिलाड़ी और अधिकारी एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। लीग ने गुरुवार को कहा कि चिकित्सा परामर्श से जुड़ा अगला नोटिस जारी होने तक खिलाड़ी और अधिकारी हाथ नहीं मिलाएंगे जो कि फुटबॉल मैचों में एक परंपरा रही है।

लीग ने बयान में कहा, ह्याकोरोना वायरस नाक और मुंह के जरिए फैलता है और हाथ मिलाने से यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है।ह्व फ्रेंच लीग ने भी बुधवार से इसी तरह के उपाय अपनाने शुरू कर दिए हैं।

प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे लिवरपूल ने भी कहा कि वह मैच के दिनों में बच्चों का उपयोग नहीं करेगा। अमूमन बच्चे मैच शुरू होने से पहले खिलाड़ियों का हाथ पकड़कर मैदान पर जाते हैं। ब्रिटेन में गुरुवार तक 115 लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था।

दिल्ली कैपिटल्स को झटका, इस ऑलराउंडर ने नाम वापस लिया!

नई दिल्ली। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस वोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन से नाम वापस ले लिया है. वोक्स आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले थे. चेन्नई सुपर किंग्स और गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच 29 मार्च को मुंबई में होने वाले मुकाबले के साथ आईपीएल के 13वें सीजन का आगाज हो जाएगा.

स्काई स्पोर्ट डॉट कॉम की रिपोर्ट में पीए एजेंसी के हवाले से लिखा गया है कि वोक्स ने फ्रेंचाइजी को इस बात की जानकारी दे दी है और फ्रेंचाइजी ने उनके विकल्प की खोज भी शुरू कर दी है. रिपोर्ट के मुताबिक वोक्स ने कहा है कि वह ग्रीष्मकाल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के लिए खुद को तरोताजा रखना चाहते हैं.

वोक्स को दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल नीलामी में 1.50 करोड़ रुपये में खरीदा था. दिल्ली कैपिटल्स के लिए यह एक और बुरी खबर है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और ईशांत शर्मा पहले से ही चोटों से जूझ रहे हैं.

मैच जीतने के लिए बैकलाइन मजबूत होना जरूरी: सुरेंदर

नई दिल्ली। सुरेंदर कुमार ने कई वर्षों की मेहनत कर डिफेंडर की अपनी क्षमताओं को मजबूत किया और इसी के दम पर भारतीय हॉकी टीम का अहम हिस्सा बने। इस मजबूत डिफेंडर को ध्रुव बत्रा प्लेयर ऑफ द ईयर-2019 और परगट सिंह अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। हॉकी इंडिया (एचआई) द्वारा यह अवॉर्ड रविवार को दिए जाएंगे।

अपने नामांकन पर सुरेंदर ने कहा, हम सभी इन पुरस्कारों की तरफ देख रहे हैं। जब यह अवॉर्ड पहले बेंगलुरू में हुए थे तब मैं राष्ट्रीय शिविर में आया ही था। मैंने कई शीर्ष खिलाड़ियों को यह अवॉर्ड लेते देखा, जो मेरे लिए प्रेरणा का बड़ा कारण रहा।

ओलंपिक क्वालिफायर: मेरीकॉम, पंघल की नजरें टोक्यो के टिकट पर

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय मुक्केबाजी के दो बड़े नाम एमसी मेरीकॉम और अमित पंघल शनिवार से ओलंपिक क्वालिफायर में अपने अभियान की शुरूआत करेंगे और टोक्यो का टिकट कटाने के लक्ष्य के साथ रिंग में उतरेंगे. मेरीकॉम अपने बदले हुए भारवर्ग 51 किलोग्राम में ओलंपिकक टिकट हासिल करने की कोशिश करेंगी. लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मेरीकॉम देश को ओलंपिक स्वर्ण दिलाने के लिए पिछले दिनों से काफी मेहनत कर रही हैं.

इस क्वालिफायर टूनार्मेंट में एमसी मेरीकॉम को दूसरी सीड मिली है. पहले दौर में उनका सामना न्यूजीलैंड की तासमिन बेनी से होगा. दो जीत के बाद वह टोक्यो का टिकट हासिल कर लेंगी. भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच राफेल बारगामास्को ने कहा, 'मेरीकॉम जानती हैं कि यह उनके करियर का आखिरी ओलंपिक होगा. उन्होंने काफी मेहनत की है. खासकर अपने पैरों पर.'

जहां तक पुरुष मुक्केबाज पंघल (52 केजी) की बात है वह इस समय अपने करियर के बेहतरीन दौर में हैं. एशियाई खेलों में सोने का पदक उनके दबदबे की शुरूआत था और तब से वह लगातार अच्छा कर रहे हैं. अमित को इस बार ओलंपिक में पदक का दावेदार माना जा रहा है, लेकिन वहां तक जाने से पहले उन्हें क्वालिफायर की बाधा को पार करना होगा.

अमित को क्वालीफायर में अपना पहला मैच मंगोलिया के इनखमानदाख खारखु के खिलाफ खेलना है. उन्हें पहले दौर में बाई मिली है. टीम के मुख्य कोच सीए कुट्टप्पा ने कहा, 'अमित ने उनका मुकाबला पहले भी किया है और एकतरफा मुकाबले में उन्हें हराया था. मिलिट्री गेम्स में अमित हालांकि उनसे हार गए थे. हमारी रणनीति हर राउंड में सरप्राइज करने की है. मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि इस बार अमित उनसे पिछली हार का हिसाब बराबर कर लेंगे.'

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कृति ने शुरू की 'मिमी' की शूटिंग

इन दिनों ऐक्ट्रेस कृति सेनन बॉलिवुड की बिजी ऐक्ट्रेसेस में से एक हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'हाउसफुल 4' रिलीज हुई है, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। अब कृति ने अपनी अगली फिल्म 'मिमी' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का पहला शेड्यूल राजस्थान में शुरू हुआ है। फिल्म के बारे में बात करते हुए कृति सेनन ने कहा, इस महिला केंद्रित फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह फिल्म एक बहुत ही अहम मुद्दे पर प्रकाश डालती है। कृति इस फिल्म को अपने करियर में मील का पत्थर मानती हैं क्योंकि उनके मुताबिक यह उनके करियर का अब तक का सबसे मजबूत रोल है। इस फिल्म की मुख्य कहानी एक महिला के इर्द-गिर्द ही घूमती है। कृति खुश हैं लेकिन साथ में नर्वस भी क्योंकि अभी उन्हें इस फिल्म के ढेरों तैयारियां करनी हैं। बता दें कि इस फिल्म के जरिए कृति 'लुका छुपी' डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर और को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ दोबारा काम करने जा रही हैं। इस फिल्म के अलावा कृति 'पानीपत' में भी नजर आएंगी। साथ ही फिल्म 'पति पत्नी और वो' में भी उनका एक स्पेशल अपियरेंस में नजर आएंगी।

मैं वाकई में अपने स्टारडम को भुना नहीं पाया: बॉबी देओल

साल 1995 में फिल्म 'बरसात' से बॉबी देओल ने बतौर हीरो बॉलिवुड में धमाकेदार एंट्री की थी। इसके बाद, उन्होंने गुप्त, सोल्जर और अजनबी जैसी फिल्मों से कामयाबी का स्वाद चखा और करियर में उन्होंने कई असफलताओं का भी सामना किया। बॉबी का कहना है कि उन्होंने वाकई में अपने स्टारडम को भुनाया नहीं। बॉबी ने हाल ही एक इंटरव्यू में बताया, मैंने वाकई में अपने स्टारडम को नहीं भुनाया, मुझे लगता है कि हर किसी की किस्मत लिखी होती है, लेकिन अगर आप कड़ी मेहनत करते रहे तो आगे का रास्ता कभी बंद नहीं होता।

काजल अग्रवाल कर रही हैं शादी की प्लानिंग

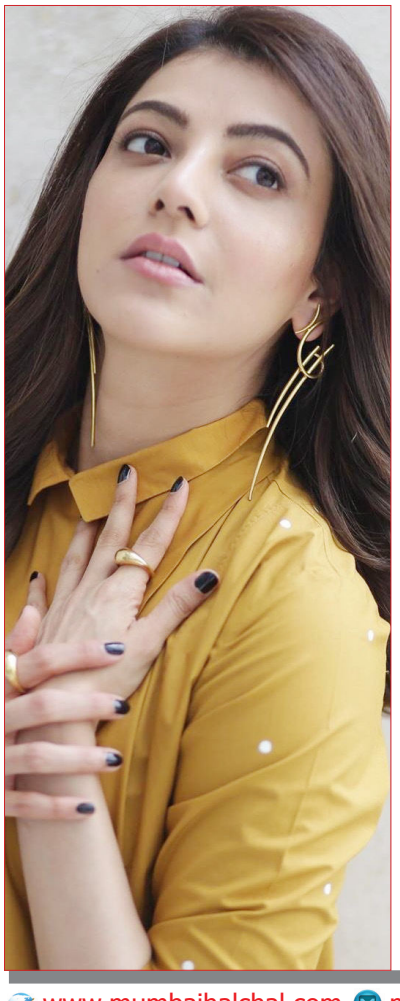

ऐक्ट्रेस काजल अग्रवाल के फैंस के लिए अच्छी खबर है। वह जल्द ही शादी करने की प्लानिंग कर रही हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद एक शो में दी। जब ऐक्ट्रेस से उनके शादी के प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां, मैं शादी करने की प्लानिंग कर रही हूं। जब उनसे पूछा गया कि वह अपने पति में कैसे गुण चाहती हैं तो काजल ने कहा, कई सारी चीजें होनी चाहिए लेकिन सबसे जरूरी है कि वह पजेसिव हो, ख्याल करने वाला हो और आध्यात्मिक हो। इस दौरान ऐक्ट्रेस ने अपने बारे में बात करते हुए बताया, 'मैं बहुत आध्यात्मिक किस्म की हूं। मेरे पास भगवान शिव की छोटी मूर्ति भी है जिसे मैं हर जगह साथ लेकर जाती हूं। वहीं, जब 'सिंघम' फेम ऐक्ट्रेस से 'किल, हुक अप और मैरी' का सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह राम चरण को मारना चाहेंगी, एन टी रामा राव जूनियर के साथ हुक अप करना चाहेंगी जबकि प्रभास के साथ शादी करना चाहेंगी।

पर्दे पर क्लैश करेगी भंसाली की 'बैजू बावरा' और दीपिका की 'महाभारत'

फिल्म मेकर संजय लीला भंसाली ने हाल ही में अपनी फिल्म 'बैजू बावरा' की घोषणा की है। उनकी यह फिल्म अगले साल दिवाली पर रिलीज होगी। खास बात यह है कि भंसाली की 'बैजू बावरा' दीपिका पादुकोण की फिल्म से पर्दे पर क्लैश करेगी। बता दें कि सलमान खान और आलिया भट्ट की 'इंशाल्लाह' बंद होने के बाद हाल ही में भंसाली ने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की घोषणा की थी। इस फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में होंगी। इसके कुछ दिन बाद ही भंसाली ने अपनी अगली फिल्म 'बैजू बावरा' की भी घोषणा कर दी। यह फिल्म दिवाली 2021 के मौके पर रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि दीपिका पादुकोण स्टारर 'महाभारत' भी अगले साल दिवाली पर रिलीज होगी। दीपिका पादुकोण ने कुछ दिन पहले ही दीपिका ने बताया था कि वह इस फिल्म में द्रौपदी की भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म को दीपिका को-प्रड्यूस भी कर रही हैं। इससे पहले दीपिका और भंसाली कई बार साथ में धमाल मचा चुके हैं। भंसाली 'रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी फिल्मों में संजय लीला भंसाली दीपिका को डायरेक्ट कर चुके हैं।